------:::: पहली देव गणेश मनावा , सिमरु माई ज्वाला ने :::: ------

मतवाला गुरु मतवाला ये सतामरापुर है वाला |

पहली देव गणेश मनावा , सिमरु माई ज्वाला ने |
वाणी बोल अणभे का उपज्या, ह्रदय में हो रह्या उजियाला ||

इंद्रा घटा ले म्हारा सतगुरु आया, बरसत आया गुरु घनघोरा |
झीणी झिणी बूंदा गुरुआ झड़ी लगादी, भेय दिया तन मन सारा ||

ज्ञान बादली गुराजी के घट में, बरस रही चहू दिश धारा |
वचन वचन में इंद्र ज्यू गरजै, आठ पहर और दिन सारा ||

गुराजी कि महिमा अमी कि सी बूंदा, बोल गंगा का है धारा |
सुणनिये का पाप कटे बहुतेरा, काया कंचन तन सारा ||

सोहनपुरी सुथान का वासा, श्वेत वर्ण रंग है बांका |
शिखर किले पर ध्वजा फरूकै, वहा रम रया गुरु म्हारा ||

अमृतनाथ मिल्या गुरु पूरा, खोल्या भरम का अब ताला |
मधो महिमा गुराजी कि गावै, गाँव घुमाने वाला ||

जय शंकर की.....
जय श्री नाथजी की